भारत सरकार
शिक्षा मंत्रालय
स्कूल शिक्षा और साक्षरता विभाग
लोक सभा
अतारांकित प्रश्न सं. 192
उत्तर दिए जाने की तारीख: 19.07.2021
पीएम ई-विद्या

192. श्री देवजी पटेल:
श्री सुधाकर तुकाराम श्रंगरे:
श्री नारणभाई काछड़िया:
श्री रंजीतसिन्हा हिंदूराव नाईक निम्बालकर:
श्री परबतभाई सवाभाई पटेल:

क्या **शिक्षा** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या सरकार ने कोविड वैश्विक महामारी की अवधि के दौरान उचित शिक्षा प्रदान करने के लिए पीएम ई-विद्या/कार्यक्रम शुरु किया है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;
(ख) इस योजना के अंतर्गत वन नेशन वन डिजिटल प्लेटफॉर्म, वन क्लास-वन चैनल अभियान में ई-लर्निंग के सभी संसाधनों के विस्तार के लिए कुल कितना बजट आवंटित किया गया है और अब तक कितनी धनराशि व्यय की गई है;
(ग) राजस्थान, महाराष्ट्र और गुजरात सहित देश के सभी ग्रामीण स्कूलों को जोड़ने संबंधी कार्यक्रम का ब्यौरा क्या है;
(घ) क्या अधिकांश ग्रामीण आबादी की प्रौद्योगिकी तक पहुंच नहीं है; और
(ङ) यदि हां, तो सरकार द्वारा उनके लिए क्या कदम उठाए गए हैं जिनके पास डिजिटल उपकरण नहीं हैं?

उत्तर
शिक्षा मंत्री
(श्री धर्मेंद्र प्रधान)

(क) आत्म निर्भर भारत अभियान के तहत 17 मई, 2020 को पीएम ई-विद्या नामक एक व्यापक पहल शुरू की गई है जो डिजिटल / ऑनलाइन / ऑन-एयर शिक्षा से संबंधित सभी प्रयासों को एकीकृत करता है ताकि शिक्षा के लिए बहु-मोड का उपयोग किया जा सके। पहल में शामिल हैं:

- राज्यों / केंद्रशासित प्रदेशों में स्कूली शिक्षा के लिए गुणवत्तापूर्ण ई-सामग्री प्रदान करने के लिए दीक्षा (एक राष्ट्र, एक डिजिटल प्लेटफॉर्म) देश का डिजिटल प्लेटफ़ार्म है और इस पर सभी ग्रेड के लिए क्यूआर कोडित एनर्जाइस्ड़ पाठ्यपुस्तकें उपलब्ध हैं।
- कक्षा 1 से 12 तक प्रति कक्षा के लिए एक स्वयं प्रभा टीवी चैनल (एक कक्षा, एक चैनल)
- रेडियो, सामुदायिक रेडियो और सीबीएसई पॉडकास्ट - शिक्षा वाणी का व्यापक उपयोग।

- डिजिटल रूप से सुगम्य सूचना प्रणाली (डीएआईएसवाई) पर विकसित श्रवण बधितों और दृष्टिबाधितों के लिए विशेष ई-सामग्री और एनआईओएस वेबसाइट / यूट्यूब पर सांकेतिक भाषा में ई-सामाग्री उपलब्ध है।

(ख) वित्तीय वर्ष 2020-2021 के दौरान कुल 14,75,74,274/- रूपये (चौदह करोड़ पचहत्तर लाख चौहत्तर हज़ार दो सौ चौहत्तर रूपये) की राशि खर्च की गई थी।

(ग) उपरोक्त भाग (क) में उल्लिखित कार्यक्रमों के अलावा राजस्थान, महाराष्ट्र और गुजरात द्वारा सभी ग्रामीण स्कूलों को जोड़ने वाले कार्यक्रमों का विवरण नीचे दिया गया है:-

राजस्थान:

महामारी के दौरान ग्रामीण स्कूलों को जोड़ने के लिए राजस्थान राज्य द्वारा निम्नलिखित कार्यक्रम चलाए गए हैं:-

प्रोजेक्ट स्माइल (सोशल मीडिया इंटरफेस फॉर लर्निंग एंगेजमेंट), ई-कक्षा, साप्ताहिक व्हाट्सएप आधारित क्विज, डिजिटल मॉनिटरिंग, शालादर्पण, स्टूडेंट ट्रैकिंग मॉड्यूल।

इन पहलों के अलावा सरकार द्वारा ऐसे छात्रों, जिनके पास डिजिटल डिवाइस आदि नहीं हैं, को शिक्षण प्रदान करने के लिए विभिन्न कदम उठाए गए हैं जैसे छात्रों के साथ संपर्क बनाए रखने के लिए अध्यापकों द्वारा कॉल के माध्यम से संपर्क, अभ्यास पुस्तिका का वितरण, छात्रों को गृह कार्य देना आदि।

महाराष्ट्र:

महाराष्ट्र में सभी ग्रामीण स्कूलों को जोड़ने के लिए ऑनलाइन शिक्षा, रेडियो के माध्यम से ऑडियो पाठ, टीवी चैनलों के माध्यम से वीडियो पाठ और डीडी सयाद्री का छात्रों द्वारा व्यापक प्रयोग किया जा रहा है ताकि महामारी के दौरान शिक्षण जारी रह सके।

इनके अलावा, महामारी के दौरान राज्य द्वारा निम्नलिखित कार्यक्रम चलाए गए:-

गली-गली सिम-सिम, तिलि-मिली कार्यक्रम, 'ध्यान गंगा' प्रसारण कार्यक्रम दूरदर्शन पर एक विशेष अंग्रेजी कार्यक्रम, 100 प्रतिशत छात्रों को पाठ्यपुस्तकों का वितरण, राज्य स्तर से जिला स्तर तक, बीआरसी/सीआरसी से स्कूल और स्कूल से अभिभावक/छात्रों के वाट्सएप और अन्य सोशल मीडिया ग्रुप बनाना, सामुदायिक ब्लैक बोर्ड, लाउडस्पीकर स्कूल, समुदाय, अध्यापकों द्वारा घर पर जाना आदि।

गुजरात:-

गुजरात राज्य ने होम लर्निंग, ई-लर्निंग के तहत वेब पर उपलब्ध शिक्षण संसाधनों को एक्सेस करने के लिए पहले से स्कूलों को इंटरनेट कनेक्टिविटी से जोड़ रखा है। कुल 95% (30,573) सरकारी प्राथमिक और उच्च प्राथमिक स्कूलों के पास किसी भी सेवा प्रदाता, जिनके पास स्कूलों को सेवा प्रदान करने के लिए स्थानीय पहुंच है, से इंटरनेट कनेक्शन प्राप्त करने की विकेन्द्रित पद्धति के आधार पर इंटरनेट कनेक्टिविटी है। इसके अलावा लगभग 3000 स्कूल

भारत सरकार द्वारा शुरू की गई भारतनेट परियोजना के तहत आप्टिकल फाइबर कनेक्टिविटी से जुड़े हैं।

अध्यापकों को वर्चुअल कक्षाओं के आयोजन हेतु 'माइक्रोसॉफ्ट टीम्स' प्लेटफॉर्म का उपयोग करने का प्रशिक्षण दिया गया था और वर्चुअल कक्षाओं को सुविधाजनक बनाने के लिए 2 लाख से अधिक अध्यापकों और 55 लाख छात्रों की आईडी तैयार की गई थी।

गुजरात स्टूडेंट्स होलिस्टिक एडैप्टिव लर्निंग ऐप (जी-शाला): शिक्षण प्रबंधन प्रणाली (एलएमएम) के साथ 1 से 12 तक की कक्षाओं के सभी विषयों के लिए मोबाइल और वेब ऐप के रूप में डिजिटल लर्निंग कंटेंट उपलब्ध है ताकि इन्हें कहीं से कभी भी सभी छात्रों और अध्यापकों द्वारा एक्सेस किया जा सके। जी-शाला ऐप पर कुल 6 लाख से अधिक छात्र और 2 लाख से अधिक अध्यापक पंजीकृत किए गए हैं।

(घ) और (ङ)

- एनसीईआरटी ने स्कूली शिक्षा के सभी चरणों के लिए एक वैकल्पिक शैक्षणिक कैलेंडर विकसित किया है। इस कैलेंडर में पाठ्यक्रमों से विषयों को चुनकर उन्हें अधिगम परिणामों से जोड़ा गया है। इन अधिगम परिणामों के आधार पर दिलचस्प गतिविधियों के संचालन के लिए दिशानिर्देश विकसित किए गए हैं। इसे नीचे दिए गए लिंक पर देखा जा सकता है: https://ncert.nic.in/alternative-academic-calendar.php
- उन छात्रों तक पहुँचने के लिए जिनकी प्रौद्योगिकी तक पहुँच नहीं है, राष्ट्र, राज्य या जिला स्तर पर विभिन्न नवीन गतिविधियाँ की जा रही हैं जैसे कि गली-गली सिम-सिम, तिली-मिली कार्यक्रम, मोटर इस्कूल, रोविंग टीचर, प्रोजेक्ट स्माइल (सोशल मीडिया इंटरफेस फॉर लर्निंग एंगेजमेंट), ई-कक्षा, व्हाट्सएप और अन्य सोशल मीडिया ग्रुप्स का गठन, वर्क बुक वितरण, टीचर कॉलिंग ताकि छात्रों के साथ संपर्क बनाए रखा जा सके।

****